The Railway Minister is well aware of backwardness since he comes from Bihar. The condition of Orissa is no better. If we have to take pride in our nation each State has to move forward , so also Orissa. Railway is a means of development. I request the hon. Minister to consider these facts.

STATEMENT BY MINISTER

The status of implementation of recommendations contained in the One Hundred and Thirteenth Report of the department-related Parliamentary Standing Committee on Home Affairs

THE MINISTER OF TRIBAL AFFAIRS AND MINISTER OF DEVELOPMENT OF NORTH EASTERN REGION (SHIR P.R. KYNDIAH): Sir, I lay a copy of the statement regarding the status of implementation of recommendations contained in the one hundred and thirteenth report of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Home Affairs.

THE BUDGET (RAILWAYS), 2006-07—*Contd.*

श्री ललित किशोर चतुर्वेदी (राजस्थान): माननीय उपसभापति महोदय, रेल मंत्री महोदय ने 2006-07 का रेल बजट प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपनी पीठ थपथपाने का बहुत प्रयास किया है और कहा है कि रिकॉर्ड उपलब्धि हुई है। मैं कहना चाहता हूं कि पिछले चार वर्षों के अथक प्रयास के बाद, जिनमें दो वर्ष उनके भी हैं, निश्चित रूप से एक गति बनी है, किन्तु उन्होंने जिस गति की चर्चा की है, मैं आपके माध्यम से, वे नहीं हैं, राज्य मंत्री महोदय हैं, उनसे निवेदन करना चाहता हूं कि हम आज भी विश्व के जो अन्य देश हैं, उनसे माल परिवहन में बहुत पीछे हैं। उन्होंने स्वयं अपने भाषण में कहा है कि payload tier-weight ratio 4:1 होना चाहिए, जो बिल्कुल ठीक है। इस नाते अगर पच्चीस टन एक्सेल लोड के वैगन से 90 प्रतिशत क्षमता का उपयोग करें, जो 90 टन तक माल ले जाया जा सकता हैं मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हम इस बात का विचार करें। श्री रवि शंकर प्रसाद जी ने ठीक कहा था कि क्या हमारा आधारभूत ढांचा इसके लिए तैयार है? वैगन ट्रैक, आदि अन्य सारी आधारभूत आवश्यकताओं में हम आज भी बहुत पीछे हैं। यदि इतना लोड के जाने का प्रयत्न करेंगे, तो सब wither away हो जाएगा। आज जो दिखता है कि हम सब इस बात को प्राप्त कर सकेंगे, किन्तु कुछ समय के बाद, चाहे ट्रैक हो या चाहे और व्यवस्थाएं हों, इस प्रकार की स्थिति पैदा हो जाएगी। इसलिए मेरा निवेदन है कि जहां उन्होंने इस बात की चर्चा अपने भाषण में की है, वहीं इन व्यवस्थाओं को जिनमें हम पीछे हैं, पहले उनको ठीक करने की व्यवस्था करें।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मैंने इस बजट को आद्योपान्त पढ़ा है। ऐसा लगता है कि यह सारा-का-सारा रेल बजट आम व्यक्ति-विरोधी और गरीब-विरोधी है। धवन साहब बोल रहे थे, तो वे कह रहे थे कि इसमें आम आदमी की चर्चा है। मैं